SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-5(TERM-1)
Subject: हिंदी

Grade - 4

Prepared by: Vrushali kokane

LESSON-5 **क) चंदा मामा**
ख) तुम कैसे मामा? व्याकरण-संज्ञा

प्रश्न १) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक मे लिखिए।

प्रश्न २) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क) अँधियारा- अँधेरा

वाक्य- चारों ओर अँधियारा छाया हुआ था।

ख) दुबला- कमजोर शरीर वाला

वाक्य- रोहन बहुत दुबला था।

प्रश्न ३) खाली स्थान भरिए।

१) दोस्त वह **गुड़िया** का न्यारा।

२) **हँसते** रहते खिल- खिल।

3) कभी **टॉफी** की बारिश कर दो।

प्रश्न ४) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

क) हाथ न आना- पकड़ में न आना।

वाक्य- चोर पुलिस के हाथ न आए।

लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. गुड़िया का न्यारा दोस्त कौन है?
उत्तर- गुड़िया का न्यारा दोस्त चंदा मामा है।

2. हम छत पर लेटे-लेटे क्या करते हैं?
उत्तर- हम छत पर लेटे-लेटे चाँद को देखा करते हैं।

3. मामा से किसकी बारिश करने के लिए कहा गया है?
उत्तर- मामा से टॉफ़ी की बारिश करने के लिए कहा गया है।

4. तारों-सा प्यारा कौन है?
उत्तर- तारों से प्यारे अपने मामा हैं।

5. गुड़िया रात को ही बात क्यों करती होगी ?
उत्तर- चंदा मामा रात होने पर ही नजर आते हैं इसलिए गुड़िया रात को ही बात करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. चाँद कब दुबला लगने लगता है? क्यों?
उत्तर- चाँद पूर्णिमा के बाद दुबला लगने लगता है क्योंकि उसका आकार घटता जाता है।

2. 'मोटे ताजे' लगने का क्या अर्थ है?
उत्तर- 'मोटे ताजे' लगने का अर्थ चाँद का पूरा गोल दिखने से है।

3. चंदा मामा की माँ से गुड़िया क्या बोलना चाहती है और क्यों?
उत्तर- गुड़िया चंदा मामा की माँ से यह बोलना चाहती है कि वे चंदा मामा को दिन में दो बार दूध पिलाएं ताकि वे हमेशा मोटे-ताजे' गोल-मटोल बने रहें।

4. चंदा मामा और अपने मामा की तुलना कैसे की गई है?
उत्तर-चंदा मामा को बहुत दूर रहने वाले बताया गया है, जिन्हें छुआ भी नहीं जा सकता, लेकिन अपने मामा की तो गोद में भी जा सकते है।

<u>व्याकरण</u>

संज्ञा

परिभाषा :- किसी प्राणी, वस्तु,स्थान और भाव के नाम बोध कराने वाले शब्द **<u>संज्ञा</u>** कहलाते हैं।

संज्ञा के तीन भेद होते हैं-
१) व्यतित्वाचक मंजा
2) जातिवाचक
३) भाववाचक संज्ञा

१) व्यक्तिवाचक संज्ञा- जिन शब्दों से विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम की जानकारी मिले, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- आगरा, ताजमहल, दिल्ली, भारत, गंगा आदि।

२) जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की पूरी जाति के बारे में जानकारी देते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- अध्यापिका, बच्चे, चिड़ियाघर, जानवर, मनुष्य आदि।

३) भाववाचक संज्ञा- जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, दोष, अवस्था और मन के भावों की जानकारी मिलें, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-मिठास, दोस्ती, बचपन, लिखावट, बुढ़ापा आदि।